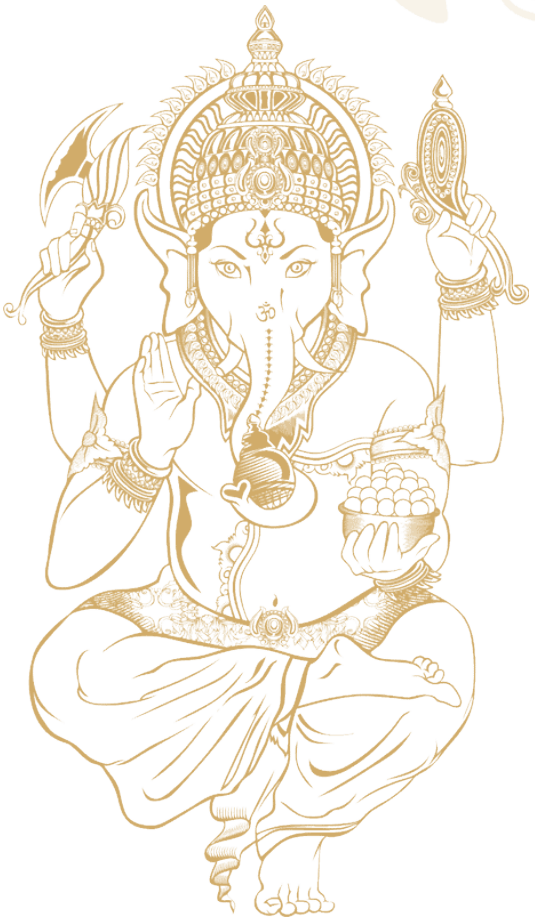

Mr.

29 Jan 2026

05:28 PM

Delhi

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121099804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/01/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:28:00 घंटे**
इष्ट	25:42:07 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:06:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:05 घंटे
साम्पातिक काल	01:41:52 घंटे
सूर्योदय	07:11:09 घंटे
सूर्यास्त	17:57:40 घंटे
दिनमान	10:46:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:21:45 मकर
लग्न के अंश	09:54:10 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ऐन्द्र
करण	बव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	09:54:10	306:48:18	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मक	15:21:45	01:00:56	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	29:21:48	14:34:21	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	मक	10:32:53	00:46:54	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	उच्च राशि
बुध		अ	मक	20:51:00	01:45:03	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:25:20	00:06:59	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	20:48:55	01:15:19	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	04:10:27	00:05:45	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:04:08	00:03:58	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:04:08	00:03:58	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:15:00	00:00:18	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:50:55	00:01:36	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:23:38	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	03:12:45	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:24

लग्न-चलित

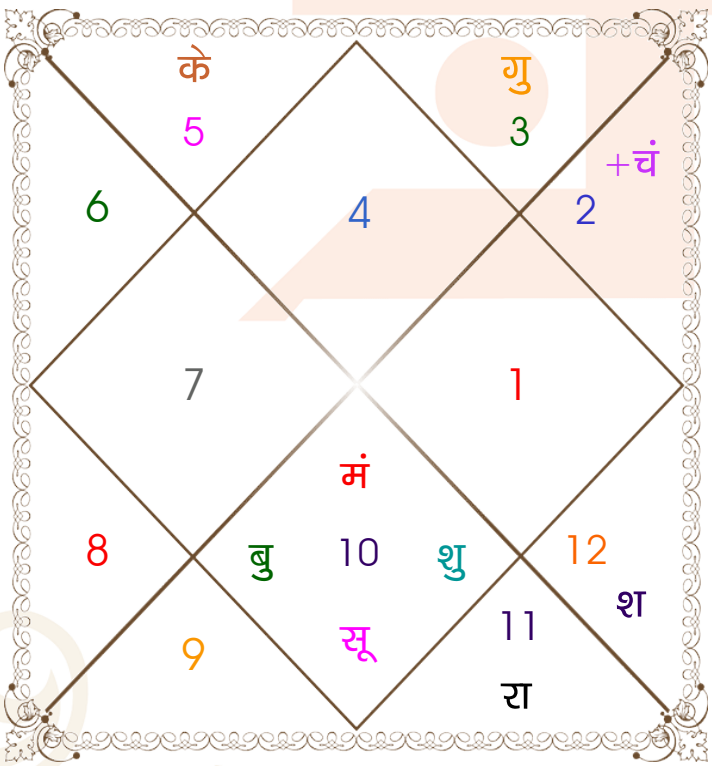

चन्द्र कुंडली

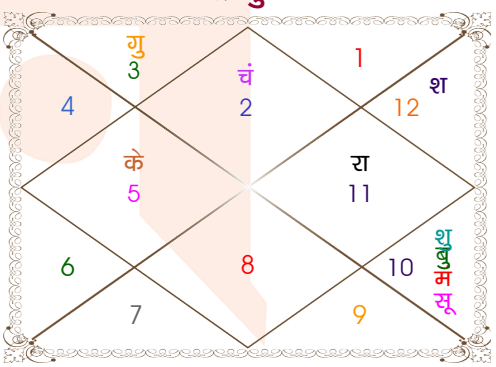

नवमांश कुंडली

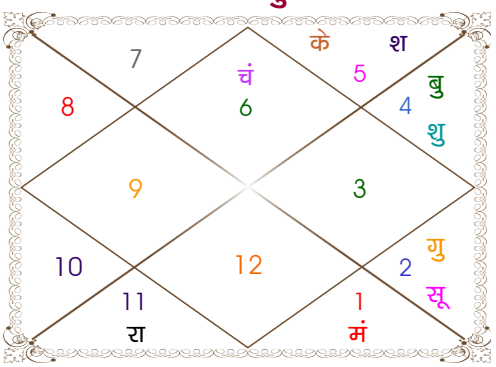

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 10 मास 0 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
29/01/2026		30/11/2029		30/11/2047		30/11/2063		30/11/2082	
30/11/2029		30/11/2047		30/11/2063		30/11/2082		30/11/2099	
	00/00/0000	राहु	12/08/2032	गुरु	17/01/2050	शनि	03/12/2066	बुध	28/04/2085
	00/00/0000	गुरु	05/01/2035	शनि	31/07/2052	बुध	12/08/2069	केतु	25/04/2086
	29/01/2026	शनि	11/11/2037	बुध	06/11/2054	केतु	21/09/2070	शुक्र	23/02/2089
शनि	31/05/2026	बुध	31/05/2040	केतु	12/10/2055	शुक्र	21/11/2073	सूर्य	30/12/2089
बुध	28/05/2027	केतु	18/06/2041	शुक्र	12/06/2058	सूर्य	03/11/2074	चंद्र	01/06/2091
केतु	25/10/2027	शुक्र	18/06/2044	सूर्य	01/04/2059	चंद्र	03/06/2076	मंगल	28/05/2092
शुक्र	24/12/2028	सूर्य	13/05/2045	चंद्र	31/07/2060	मंगल	13/07/2077	राहु	15/12/2094
सूर्य	01/05/2029	चंद्र	12/11/2046	मंगल	07/07/2061	राहु	19/05/2080	गुरु	22/03/2097
चंद्र	30/11/2029	मंगल	30/11/2047	राहु	30/11/2063	गुरु	30/11/2082	शनि	30/11/2099

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/11/2099		01/12/2106		01/12/2126		30/11/2132		01/12/2142	
01/12/2106		01/12/2126		30/11/2132		01/12/2142		00/00/0000	
केतु	28/04/2100	शुक्र	01/04/2110	सूर्य	20/03/2127	चंद्र	01/10/2133	मंगल	29/04/2143
शुक्र	28/06/2101	सूर्य	02/04/2111	चंद्र	19/09/2127	मंगल	02/05/2134	राहु	17/05/2144
सूर्य	03/11/2101	चंद्र	30/11/2112	मंगल	25/01/2128	राहु	01/11/2135	गुरु	22/04/2145
चंद्र	04/06/2102	मंगल	31/01/2114	राहु	19/12/2128	गुरु	02/03/2137	शनि	30/01/2146
मंगल	31/10/2102	राहु	30/01/2117	गुरु	07/10/2129	शनि	01/10/2138		00/00/0000
राहु	19/11/2103	गुरु	01/10/2119	शनि	19/09/2130	बुध	01/03/2140		00/00/0000
गुरु	25/10/2104	शनि	01/12/2122	बुध	26/07/2131	केतु	01/10/2140		00/00/0000
शनि	04/12/2105	बुध	01/10/2125	केतु	01/12/2131	शुक्र	01/06/2142		00/00/0000
बुध	01/12/2106	केतु	01/12/2126	शुक्र	30/11/2132	सूर्य	01/12/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 9 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।